भा.कृ.अनु.प - केन्द्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान
ICAR - Central Institute of Freshwater Aquaculture
आईएसओ ९००१: २०१५ प्रमाणित संस्थान
ISO : 9001:2015 Certified Institute

"मीठे जल जलीय कृषि में मछली रोग और स्वास्थ्य प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

अवधि: 03-06 सितंबर, 2024

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, रहरा, आईसीएआर-केंद्रीय मीठाजल जलीय कृषि संस्थान ने "मछली रोग और स्वास्थ्य" पर चार दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। 03 - 06 सितंबर, 2024 के दौरान "मीठे पानी के जलीय कृषि में प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, मिजोरम और हरियाणा के किसानों, छात्रों, उद्यमियों और जलीय कृषि तकनीशियन ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। उद्घाटन के दौरान प्रभारी वैज्ञानिक डॉ बीएन पॉल ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने उच्च उत्पादन के लिए मीठे पानी के जलीय कृषि में मछली स्वास्थ्य और रोग प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला था। प्रशिक्षण में उभरते मछली रोगों, मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के सिद्धांतों, जलीय कृषि में उपयोग के लिए अनुमोदित दवाओं और कीमोथेरेप्यूटेंट्स, जैव सुरक्षा की अवधारणा, प्रोबायोटिक्स का उपयोग, जलीय कृषि के सिद्धांत, पानी और मिट्टी की गुणवत्ता और मछली फ़ीड पर व्याख्यान, प्रदर्शन और बातचीत सत्र शामिल थे। डॉ एम सामंता, प्रमुख, मछली स्वास्थ्य प्रबंधन प्रभाग ने "सीआईएफए-ब्रूड-वैक" के विशेष संदर्भ के साथ जलीय कृषि में टीकों की संभावनाओं" पर एक व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों को मछली के स्वास्थ्य का आकलन, पानी और मिट्टी की गुणवत्ता का आकलन, तालाबों में जाल लगाने का काम, हैचरी का संचालन और खेत में बने फ़ीड फॉर्मूलेशन पर प्रदर्शन का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। एक प्रशिक्षण पुस्तिका जारी की गई और प्रतिभागियों के बीच वितरित की गई। कार्यक्रम के सफल समापन के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। डॉ. बी.एन. पॉल और डॉ. एफ. होक ने पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य किया और प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. एस. अधिकारी, डॉ. आर.एन. मंडल, श्री ए. दास, डॉ. एस. सरकार और श्री ए. हुसन ने किया।